विषय–गृहविज्ञान

(कक्षा–11)

केवल प्रश्नपत्र

इसमें 70 अंकों की लिखित एवं 30 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा होगी । न्यूनतम उत्तीर्णांक 23 एवं 10 कुल 33 अंक

(केवल बालिकाओं के लिये) **100 अंक**

भाग–1

अध्याय 1– **परिचय**–मानव पारिस्थिति की और परिवार विज्ञान

विषय का उद्‌भव और जीवन की गुणवत्ता के प्रति इसकी प्रासंगिकता

इकाई–1 स्वयं को समझना–किशोरावस्था **20 अंक**

अध्याय–2 स्वयं को समझना

क. मुझे 'मैं' कौन बनाता है?

ख. स्वयं का विकास एवं विशेषताएँ

ग. पहचान पर प्रभाव–स्व बोध का विकास हम कैसे करते हैं?

अध्याय 3– भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वस्थता

अध्याय 4– संसाधन प्रबंधन

अध्याय 5– कपड़े–हमारे आस–पास

अध्याय 6– संचार माध्यम और संचार कौशल

इकाई–2 परिवार, समुदाय और समाज के प्रति समझ **20 अंक**

अध्याय 7– विविध संदर्भों में सरोकार और आवश्यकतायें

क. पोषण, स्वास्थ्य और स्वास्थता विज्ञान

ख. संसाधन उपलब्धता और प्रबन्धन

ग. भारत की वस्त्र परंपराएँ

भाग–2

इकाई 3– बाल्यावस्था **15 अंक**

अध्याय 8– उत्तरजीविता, वृद्धि तथा विकास

अध्याय 9– पोषण, स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्ता

अध्याय 10– हमारे परिधान

इकाई 4– वयस्कावस्था **15 अंक**

अध्याय 11– वित्तीय प्रबंधन एवं योजना

प्रयोगात्मक हेतु निर्देश

प्रयोगात्मक :– 30 अंक
सिलाई कला– 5 अंक
पाक कला– 5 अंक
कढ़ाई कला– 5 अंक
रंगाई कला (टाई एण्ड डाई)– 3 अंक
प्रोजक्ट कार्य– 6 अंक
मौखिक– 6 अंक
योग– 30 अंक

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम संबंधी विवरण :–

1. विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार छात्राओं को शिक्षिका द्वारा निम्न दो नमूना (मॉडल) सिखाया जायेगा–
   - सादा फ्राक या ब्लाउज़
   - झबला या पेटीकोट
2. शिक्षिका हेतु निर्देश :– किसी आयु वर्ग के पोषकीय आवश्यकतानुसार आहार का प्रयोग कराकर छात्राओं को पोषण संबंधी जानकारी देगी।
3. भारत के पारंपरिक कढ़ाई के छः नमूने एवं बंधेज से 1 नमूना तैयार कराया जायेगा।
4. पाठों से निर्देशानुसार क्रियात्मक एवं प्रयोगात्मक कार्यों, प्रोजेक्ट, फाइल तैयार करायी जायेगी।
5. मौखिक